पिंजरा के पंछी बोले रही रही के कुण्डी खोले छत्तीसगढ़ी भजन

पिंजरा के पंछी बोले,
रही रही के कुण्डी खोले,
मोला पार लगादे राम,
मोला पार लगादे राम,
मोला जाना है,
जाना है राम लाला के धाम।bd।

राम राम के नाम ला लेवत,
फुर फुर में उड़ जाहु,
कतको मोला पकड़बे तेहा,
तोर हाथ नई आहु,
कतको मोला पकड़बे मेहा,
तोर हाथ नए आहु,
तोर चरण मा में गिर जाहु,
जीवन ला सुफल बनाहु,
मोला पार लगादे राम,
मोला जाना है,
जाना है राम लाला के धाम।bd।

का करहु तोर रतन सिहासन,
का तोर महल अटारी,
मोर बर सब माटी के ढेला,
सुनले रे संगवारी,
मोर बर सब माटी के ढेला,
सुन ले रे संगवारी,
जब तोर संदेशा आही,
सुवना मोर तन के उड़ाही,
मोला जाना है,
जाना है राम लाला के धाम।bd।

लाला चंचल राम दरश बर,
जीवन भर गुन गाइस,
राम नाम के महिमा गाके,
दुनिया मा बगराईस,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दुनिया माँ बगराईस,
बेनाम के सुनले बानी,
सुवना ये तन के परानी,
मोला जाना है,
जाना है राम लाला के धाम।bd।

पिंजरा के पंछी बोले,
रही रही के कुण्डी खोले,
मोला पार लगादे राम,
मोला पार लगादे राम,
मोला जाना है,
जाना है राम लाला के धाम।bd।

गायक / प्रेषक – चंदन धीवर।
9098175777

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com